

Hindustan Times ( Delhi )  
 नवभारत टाइम्स ( दिल्ली )  
 The Tribune ( Chandigarh )  
 The Hindu ( Chennai )

The Assam Tribune ( Guwahati )  
 The Times of India ( Mumbai )  
 The Telegraph ( Kolkata )  
 हिन्दुस्तान ( पटना )

The Deccan Herald ( Bengluru )  
 The Deccan Chronical ( Hyderabad )  
 Central Chronical ( Bhopal )

# बारिश में हाई स्पीड ट्रेन टेल्लो 3 घंटे लेट

## नई दिल्ली मुंबई के बीच ट्रेन का तीसरा ट्रायल

■ एजेंसियां, मुंबई

स्पेन में बनी हाई स्पीड ट्रेन टेल्लो ने नई दिल्ली से मुंबई के बीच मंगलवार को तीसरा और आखिरी ट्रायल पूरा कर लिया। तय वक्त से यह ट्रेन 3

घंटे की देरी से मुंबई पहुंची। इसे मंगलवार को सुबह 8.31 बजे मुंबई पहुंचना था। ट्रेन सोमवार को दिल्ली से 7 बजकर 55 मिनट पर चली और मंगलवार को 11 बजकर 40 मिनट पर मुंबई पहुंची। देरी से पहुंचने का कारण रेलवे अधिकारियों ने बारिश को बताया। ऐसी उम्मीद थी कि यह सेमी हाईस्पीड ट्रेन 1,384 किमी की यात्रा 12 घंटे 35 मिनट में पूरी कर लेगी। इसलिए मुंबई पहुंचने का समय आठ बजकर 31 मिनट तय किया गया था। एक अधिकारी ने कहा, इस दौरान ट्रेन को 130 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलाने का टेस्ट कामयाब रहा। टेल्लो ट्रेन की एवरेज स्पीड 90-100 किमी होती है और यह 130-135 किमी प्रति घंटे के रफ्तार से दौड़ सकती है। इतनी दूरी तय करने में राजधानी एक्सप्रेस को 16 घंटे लगते हैं। टेल्लो में दो एग्जिक्यूटिव क्लास, चार चेयर कार, एक कैफेटेरिया सहित कुल 9 डिब्बे हैं।



जयपुर में भारी बारिश से सड़क में पड़ा गहरा गड्ढा।

## अचानक आई बाढ़ से 5 डूबे

गुजरात के कई हिस्सों में सोमवार रात हुई भारी बारिश के कारण वालसाड, नवसारी और सूरत जिलों से होकर बहने वाली नदियों के तटीय इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। भारी बारिश के कारण दो जगहों पर पांच लोगों की मौत हो गई। वहीं भारतीय तटरक्षक ने वलसाड में औरंगा नदी का जलस्तर बढ़ने से एक छत पर फंसे 28 लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया।

## जयपुर, गोवा, हैदराबाद में पानी-पानी

मंगलवार को जयपुर में गोपालपुरा बायपास पर भारी बारिश के कारण सड़क धंस गई। गोवा में मंगलवार को भी लगातार हो रही बारिश के चलते सामान्य जनजीवन प्रभावित रहा। सतारी तहसील में सहयाद्री नदी पर स्थित अंजुनेम बांध से मंगलवार सुबह पानी छोड़ना पड़ा, क्योंकि भारी बारिश के कारण जलाशय में जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया था। हैदराबाद के चिलकलगुडा इलाके में एक पुरानी इमारत के गिर जाने के कारण दो लोग जिंदा दफन हो गए। घटना सोमवार रात करीब 11 बजे हुई जब खराब हालत वाली दो मंजिला इमारत का एक हिस्सा ढह गया। इसमें अकबर और वाजिद की मौत हो गई।

## जुलाई में सामान्य से ज्यादा बारिश

■ विस, नई दिल्ली : जुलाई में पूरे देश में दक्षिणी पश्चिमी मॉनसून की बारिश औसत से 7 फीसदी अधिक रही। अगस्त-सितंबर में लोगों को बारिश की अच्छी बौछारें देखने को मिल सकती हैं। ताजा आंकड़ों के अनुसार देश के कुछ राज्यों में मॉनसून की बारिश सामान्य से 9 से 18 फीसदी तक अधिक दर्ज की गई। हालांकि, कुछ राज्यों में बारिश अब भी सामान्य से काफी कम है। इनमें सबसे ऊपर गुजरात है, जहां पर बारिश सामान्य से 41 फीसदी तक कम हुई है। मौसम विभाग के अनुसार अगले 24 घंटों में मध्य और पश्चिमी भारत में भारी बारिश की संभावना है। इनमें गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, झारखंड, पश्चिम बंगाल में भारी बारिश हो सकती है। विभाग के लॉन्ग पीरियड एवरेज(एलपीए) के आधार पर जारी आंकड़ों के अनुसार जून में बारिश सामान्य से 11 फीसदी कम रही थी। इसके बाद जुलाई में मॉनसून की बारिश में सामान्य से 7 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। जुलाई में पश्चिमी उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, विदर्भ, मराठवाड़ा में बारिश सामान्य से काफी अधिक हुई।

अगस्त-  
 सितंबर में  
 अच्छी बारिश  
 की संभावना

## उत्तराखंड में हादसा, 1 की मौत

उत्तराखंड में बारिश के चलते हुए दो हादसों में एक शख्स की मौत हो गई और दो स्कूली बच्चों समेत तीन अन्य घायल हो गये। भूस्खलन से बाधित बदरीनाथ, गंगोत्री और केदारनाथ मार्गों पर चारधाम यात्रा भी प्रभावित रही। कैलिफोर्निया में जंगल में लगी आग पर काबू पाने के लिए हजारों फायर फाइटर्स जुटे हुए हैं। आग की चपेट में आने से एक की मौत हो गई और हजारों लोगों को अपने घरों को छोड़कर भागना पड़ा।

दिनांक 02.08.2016 को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hindustan Times ( Delhi )

नवभारत टाइम्स ( दिल्ली )

The Tribune ( Chandigarh )

The Hindu ( Chennai )

The Assam Tribune ( Guwahati )

The Times of India ( Mumbai )

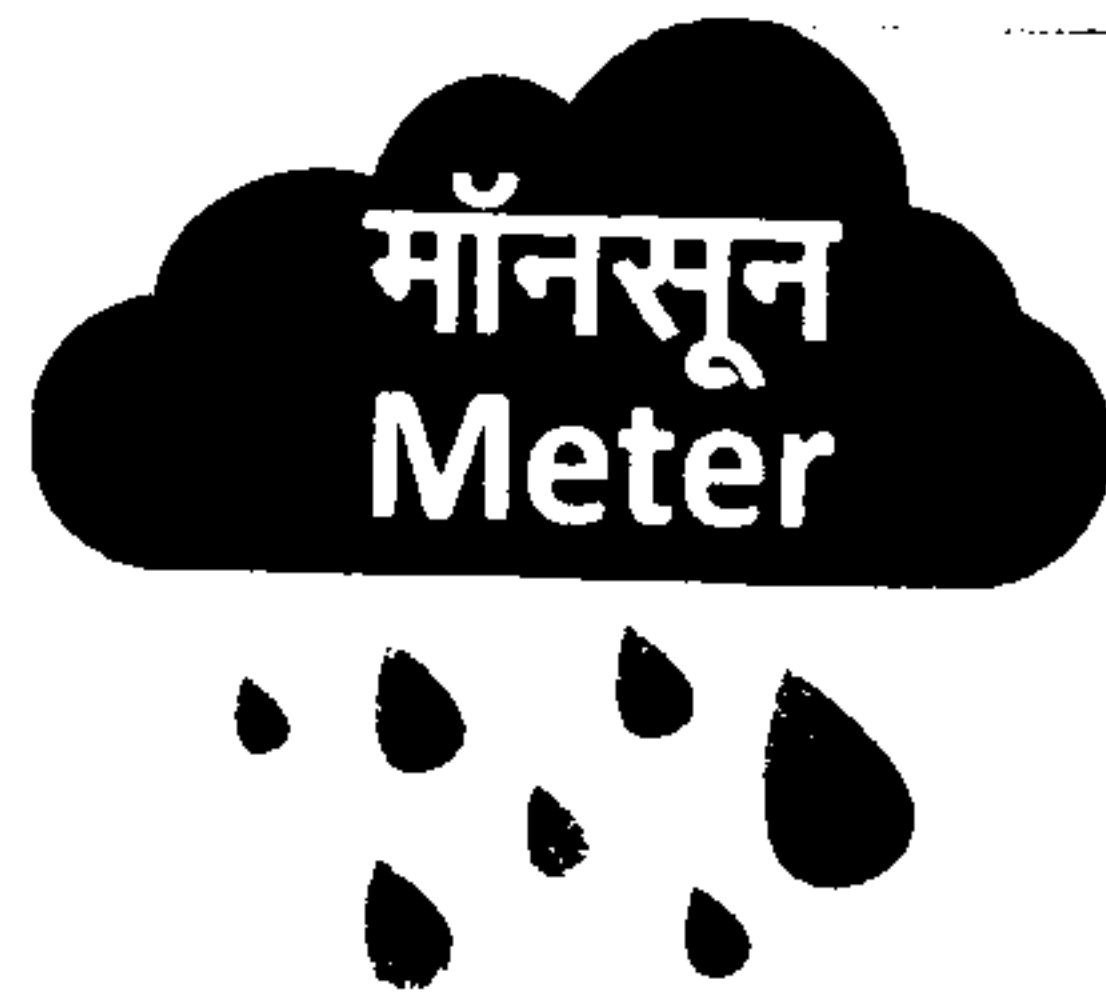
The Telegraph ( Kolkata )

हिन्दुस्तान ( पटना )

The Deccan Herald ( Bengluru )

The Deccan Chronical ( Hyderabad )

Central Chronical ( Bhopal )



बिहार, गुजरात में बाढ़ ने 27 जाने और ली हैं। गुजरात के वलसाड, नवसारी और सूरत में बारिश का असर रहा।



असम में बाढ़ की स्थिति सुधरी है, लेकिन काजीरंगा नैशनल पार्क में अब तक 300 से ज्यादा जानवरों की मौत हुई है।

हिमाचल में भूस्खलन से कीरतपुर-मनाली और हिंदुस्तान-तिब्बत हाइवे समेत 100 से ज्यादा सड़कें ब्लाक हैं।



1 > नई दिल्ली > बधवार, 3 अगस्त 2016 > पेज 22

*The Tribune, 3/8/16*

# Yamuna water level nears warning mark

**TRIBUNE NEWS SERVICE**

NEW DELHI, AUGUST 2

The government is ready to deal with flood-like situation in the national Capital following information that Haryana has discharged water from Hathni Kund barrage that may cause rising water level in Delhi from midnight. It is likely to cross the warning level by tomorrow morning.

"Due to discharge of 1,59,000 cusecs of water from Hathni Kund Barrage in Haryana yesterday, the water level in the Yamuna has gone up. At 6 pm, it was recorded at 203.39 m," said

“The water level initially rose, but is now steady. Post-midnight the water level will again start rising, though it is likely to stay around the warning level.”

*A government official*

a government official.

The warning level for the Yamuna is 204 m and the danger level is 204.83 m. The highest water level of 207.49 m in the river was recorded in 1978.

"The water level initially rose, but is now steady. Post-midnight the water level will again start rising, though it is likely to stay around the warning level," said the official.

The Irrigation and Flood

Control Department of the government had last month deployed 18 motor boats in areas, including Badarpur, Burari, Soniya Vihar, Jagatpur, Surghar, Wazirpur, Boat Club, Geeta Colony, Shamshan Ghat, Haithi Ghat, Chilla Village, Mayur Vihar, Batla House, Kalindi Kunj and Bawana Nehar.

"The boats are still stationed there to evacuate riverside dwellers," he added.



# Three bridges washed away in Rampur

Rain triggers landslides | Chunks of land eroded | Four-storeyed house collapses



A multi-storeyed building in danger after its base was damaged due to heavy rain at Dhingle Estate in Shimla on Tuesday. PHOTO: AMIT KANWAR

## TRIBUNE NEWS SERVICE

SHIMLA, AUGUST 2

Heavy rain in several parts of Himachal triggered landslides and disrupted normal life in interior areas. Three bailey bridges were damaged in the Sumagh area of Rampur in Shimla district and chunks of land were eroded while a four-storey under-construction house collapsed on the Mehli-Junga road in the suburbs of the state capital. The foundation of a house slid due to heavy rain in Lower Kaithu but no loss of life was reported.

Three shops were damaged and three persons received minor injuries when a tree fell on them near Lakkar Bazaar in Shimla. Traffic jams on the road was a common sight as JCB machines were deployed to remove debris on many roads, especially in the interior areas. The rain

uprooted trees at some places in Shimla, Dharamsala and other places and minor landslides occurred at many places in Kangra and Mandi districts.

However, most of the roads which were blocked due to heavy rain during the past 48 hours were cleared and normal traffic was resumed, except in Sirmaur.

Chief Secretary VC Pharka has directed the officers concerned to ensure restoration of traffic on all roads and see to it that there was no disruption of traffic during the apple marketing season. Dharamsala, which was the wettest in the region, received a record rainfall of 208 mm while Palampur received 104 mm rain, followed by Baijnath 62 mm, Jogindernagar 61 mm, Gaggal 60 mm, Nahan 17 mm and Shimla 14 mm. The minimum temperatures dropped marginally in mid and higher hills.

## Landslide disrupts traffic near Kumarhatti

- Traffic remained suspended on the Solan-Kumarhatti road as a huge landslide occurred on the road near Panch Parmeshwar temple on Tuesday.
- Traffic on the rail track at Dohri Dwar in Solan came to a halt for sometime as a breast wall gave way and the track was blocked with the falling boulders.
- Railway staff was engaged in clearing the track as several trains were lined up to cross this track later in the evening, said a railway official. —TNS





दिनांक 03.08.2016 को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hindustan Times ( Delhi )

नवभारत टाइम्स ( दिल्ली )

The Tribune ( Chandigarh )

The Hindu ( Chennai )

The Assam Tribune ( Guwahati )

The Times of India ( Mumbai )

The Telegraph ( Kolkata )

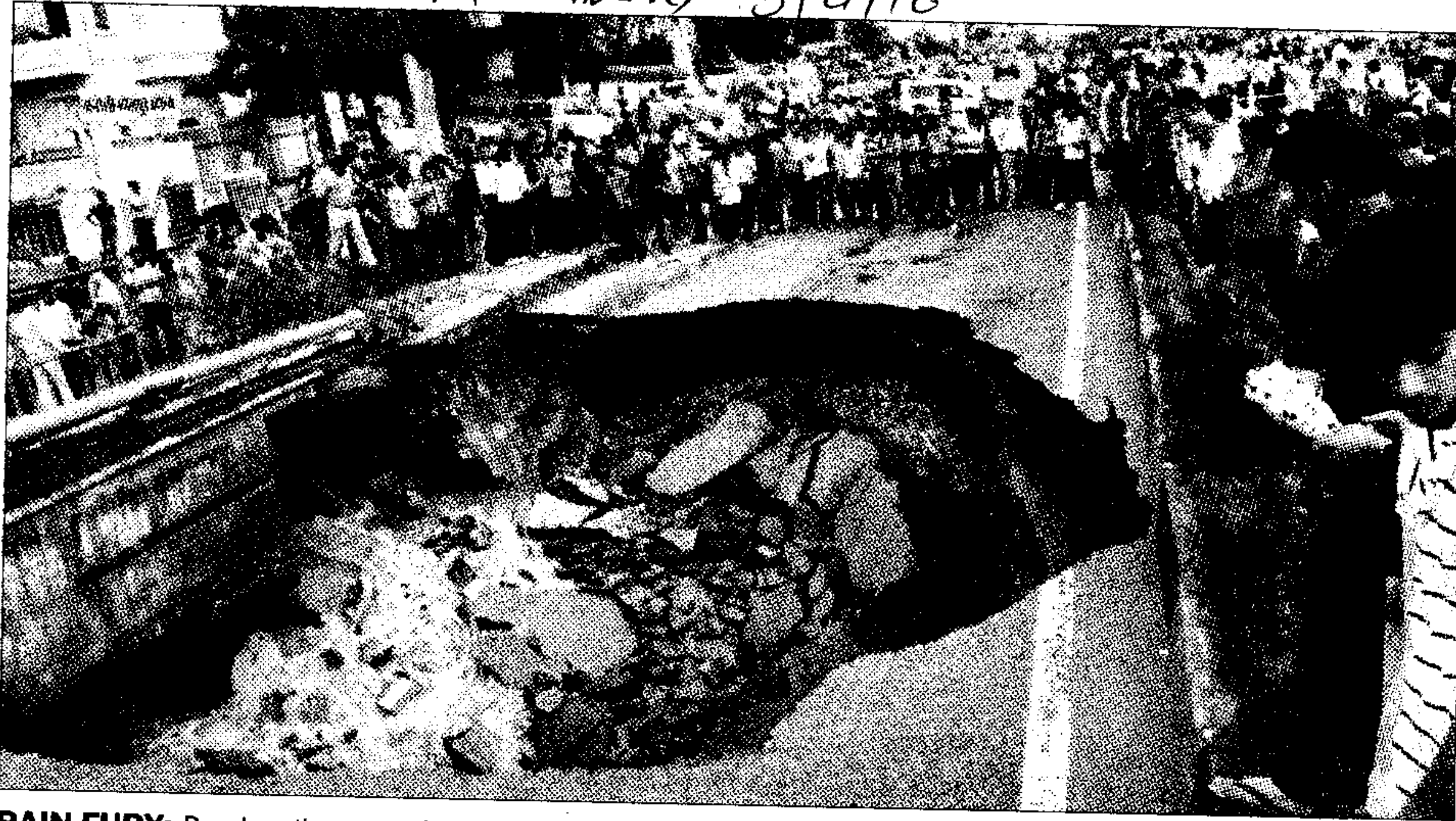
हिन्दुस्तान ( पटना )

The Deccan Herald ( Bengluru )

The Deccan Chronical ( Hyderabad )

Central Chronical ( Bhopal )

The Tribune, 3/8/16



**RAIN FURY:** People gather around a damaged portion of the Gopalpura bypass following heavy rain in Jaipur on Tuesday. PTI

## 21 rhinos, 221 deer die in Kaziranga floods

**Guwahati:** As many as 310 animals, including 221 hog deer and 21 one-horned rhinos, in Kaziranga National Park (KNP) lost their lives due to the devastating Assam floods. According to the KNP Divisional Forest Officer Suvasish Das, 310 animals were killed by floods since July 25 this year. Out of this, 221 were hog deer and 21 were one-horned rhinos, he said. Among the killed rhinos, 10 were calves aged between two to six months, Das said. "Flood level this year is much higher compared to 2012, but animal mortality was highest in 2012," he said. PTI



दिनांक ०२.०३.२०१६ को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hindustan Times ( Delhi )  
नवभारत टाइम्स ( दिल्ली )  
The Tribune ( Chandigarh )  
The Hindu ( Chennai )

The Assam Tribune ( Guwahati )  
The Times of India ( Mumbai )  
The Telegraph ( Kolkata )  
हिन्दुस्तान ( पटना )

The Deccan Herald ( Bengluru )  
The Deccan Chronical ( Hyderabad )  
Central Chronical ( Bhopal )



1. KUKATPALLY  
The main road  
which suffered  
serious damage  
in the rains

2. KUKATPALLY  
The dust from  
the potholes on  
the main road is  
proving a hazard

3. TANKBUND  
The completely  
wrecked, pot-  
holed road to  
Indira Park





Hindustan Times ( Delhi )  
नवभारत टाइम्स ( दिल्ली )  
The Tribune ( Chandigarh )  
The Hindu ( Chennai )

The Assam Tribune ( Guwahati )  
The Times of India ( Mumbai )  
The Telegraph ( Kolkata )  
हिन्दुस्तान ( पटना )

The Deccan Herald ( Bengluru )  
The Deccan Chronical ( Hyderabad )  
Central Chronical ( Bhopal )

## I WARD WATCH I

*The Hindu - 2 Aug*

The Assembly polls are just over and a new government is in place. But, it will soon be time to vote again. Elections to the local bodies, the last line of governance, are likely to be held in October. Here, we give you valuable nuggets of information about your neighbourhood, so you will be prepared when the time comes to ink your other forefinger

# No end in sight to flooding woes



AN EYESORE: The stormwater drain connecting Kovilambakkam and Pallikaranai marsh via Madipakkam is clogged by debris. — PHOTO: G. KRISHNASWAMY

T. MADHAVAN

**M**adipakkam, once a tiny village panchayat, now meets the burgeoning demands of its middle and upper middle class residents. The town, now merged with the Greater Chennai Corporation (GCC), not only houses some of the city's oldest areas, but also the newer additions. However, the list of civic problems across old and new areas remains mostly the same.

Rain, devastation and inundation are some of the words residents of Madipakkam want to forget. The merger with GCC has not given them any solution to these issues so far.

Kubera Nagar resident K. Vidhya said roads and stormwater drains became part of the infrastructure only in the past five years.

**Repeated inundation has dimmed the hopes of Madipakkam residents waiting for a permanent remedy**

"But residents are still apprehensive about inundation problems during rain, as the stormwater drains were not properly constructed and connected with the main drain on the southern part of Madipakkam. We keep our fingers crossed as we don't know what would happen once the rain starts," she said.

A resident of Periyar Nagar Extension, Kasi Viswanathan said despite their protests, the height of the road was increased and with the new layer of road the rainwater would not fall into the drains. "Instead it would maroon several areas just like in 2015. Many streets in the ward have to be blacktopped and milling

of roads before re-laying them should be made mandatory," he said.

Kubera Nagar, Ram Nagar South, Rajaji Nagar, Periyar Nagar and Lakshmi Nagar of Madipakkam serve as a natural drain for rain water from upper areas of Madipakkam. Repeated inundation has dimmed the hopes of residents getting a permanent remedy for the problem.

But for these lapses, roads and streets lights have been added to the infrastructure in the past five years. "Of the 392 roads and streets measuring over 81 km, 94 per cent have been blacktopped with stormwater drain facility. Remaining road works would be completed before the end of August," said E. Ponnusami, ward 188 Councillor.

Mr. Ponnusami said over 2,600 LED lights were provided to replace the old ones.



Area: 2.91 sq.km.

Zone: Perungudi

### Key Boundaries

Bazaar Road, Velachery Main Road, Sadhasiva Nagar, Kuber Nagar, Dr. Ambedkar Salai and Madipakkam Main Road



Population  
**44,399**



Voters  
**29,320**



Number of streets  
**392**

(includes 3 highways roads of 4.42 km)



Anna Unavagam  
**3**



Parks  
**2**

Councillor:  
**E. Ponnusami, AIADMK**  
**94454 67188**

Junior Engineer  
**94451 90788**





दिनांक २८.०८.१६ को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hindustan Times ( Delhi )  
नवभारत टाइम्स ( दिल्ली )  
The Tribune ( Chandigarh )  
The Hindu ( Chennai )

The Assam Tribune ( Guwahati )  
The Times of India ( Mumbai )  
The Telegraph ( Kolkata )  
हिन्दुस्तान ( पटना )

The Deccan Herald ( Bengluru )  
The Deccan Chronical ( Hyderabad )  
Central Chronical ( Bhopal )



(Clockwise from top left) Deepa, a resident of Ashwathnarayana Layout, has sent us the picture of a snake that entered her house, after the Sarakki lake overflowed. Kishore, a resident of Ashwathnarayana Layout, rearranges the kitchen in his house which is flooded with rainwater for the past three days. Residents of a locality in Kodichikkanahalli are cut off as a road and drain work has blocked their movement. The flooding has compounded their problem. DH PHOTOS



दिनांक १६.०९.१६ को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hindustan Times ( Delhi )  
नवभारत टाइम्स ( दिल्ली )  
The Tribune ( Chandigarh )  
The Hindu ( Chennai )

The Assam Tribune ( Guwahati )  
The Times of India ( Mumbai )  
The Telegraph ( Kolkata )  
हिन्दुस्तान ( पटना )

✓ The Deccan Herald ( Bengaluru )  
The Deccan Chronical ( Hyderabad )  
Central Chronical ( Bhopal )

# Monsoon horror: Carcass of female rhino found in flooded Kaziranga Natl Assam, Bihar flood situation grim; toll r

**NEW DELHI, PTI:** The flood situation in Assam and Bihar remained grim with 15 more deaths reported on Monday. Two persons died and three others are feared to have been washed away in rain-related incidents in Uttarakhand and Maharashtra.

According to the Assam State Disaster Management Authority (ASDMA), three more deaths were reported in the state, taking the toll to 34. Two persons were killed at Bilasipara and Chapar in Dhubri district, while one death was reported in Barpeta town.

More than 11 lakh people in 1,659 villages in 21 districts are affected by the floods.

Authorities are running 366 relief camps and distribution centres, where over 1.25 lakh people have taken shelter.

More than one lakh

hectares of crop area are under flood water across the state.

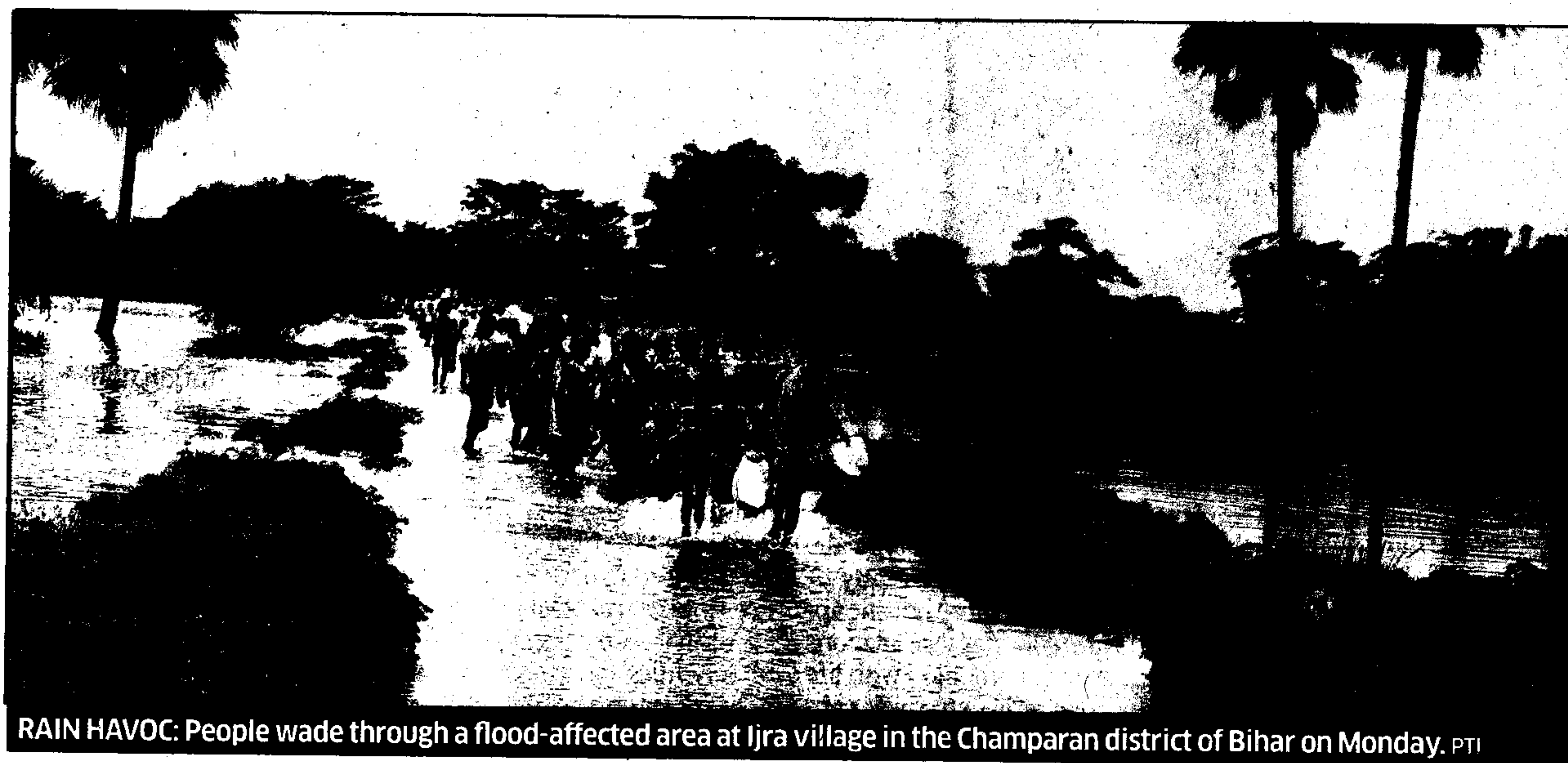
Carcass of a female rhino was found with its horn intact near Amkatoni camp in the flooded Kaziranga National Park (KNP).

So far, 13 rhinos have drowned in the floods which have also claimed the lives of 15 hog deer, two wild boars and two snakes.

Over 100 wild animals, including 10 one-horned rhinos, swamp deer and hog deer have been rescued.

The Brahmaputra river is flowing above the danger mark at Nematighat in Jorhat and Dhubri town, while its tributaries Dhansiri at Numaligarh in Golaghat and Beki at Road Bridge in Barpeta are flowing above the normal level. The rising water level of the Brahmaputra has flooded 85% of the KNP.

In Bihar, 12 more deaths



**RAIN HAVOC:** People wade through a flood-affected area at Ijra village in the Champaran district of Bihar on Monday. PTI

were reported from Katihar district, taking the toll to 38, as 28.20 lakh people in 12 districts were affected.

Fed by heavy rain in the Terai region of Nepal, the Ganga river at Kahalgaon in Bhagalpur district remained above

danger mark.

The overall weather conditions in Bihar, especially in Patna, remained humid. Light

rainfall was witnessed at a few places in north west, north central and south central parts of the state since Sunday.

## Monsoon

Revival of the monsoon to heavy rain was reported by the DHNS report. Though the situation in the district administration area, any emergency rain has filled the statistics. Revival of the monsoon plus rain, western side of the Udaipur division areas.

The state's water level is all 9% surplus in the same period. The Kota Barrage has a capacity of 266 lakh dam in the central RLM against the flood at the famous RLM. The met department reached 272 lakh RLM.

The met department predicted mild rain.



# Monsoon revival in Rajasthan

Revival of the Southwest monsoon has triggered moderate to heavy rainfall in several parts of Rajasthan since Friday, *DHNS* reports from Jaipur.

Though situation in the state is largely under control, the district administration in eastern Rajasthan is ready to meet any emergency. The state's watershed department said the rain has filled up several major reservoirs.

Statistics revealed that east Rajasthan has received 34% surplus rain, while the downpour is 15% below average on the western side. Moderate to heavy rain in Kota, Jaipur and Udaipur divisions has brought more water to the catchment areas.

The state's weather department said Rajasthan has an overall 9% surplus rain this year than what it received in the same period last year.

The Kota Barrage dam in Kota district, which has a full capacity of 260.30 RLM, has filled up to 259.17 RLM. Another dam in the district, Jawahar Sagar, has filled up to 297.24 RLM against its full capacity of 298.70 RLM. Storage levels at the famous Mahi dam in Udaipur's Banswara have reached 272.10 RLM against the full capacity of 281.50 RLM.

The met department puts the rainfall at 317.55 mm till July 31, while it was 249.38 in the same period last year. It predicted mild rainfall across the state for the next two days.



दिनांक २३/०८/१६ को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hindustan Times ( Delhi )  
नवभारत टाइम्स ( दिल्ली )  
The Tribune ( Chandigarh )  
The Hindu ( Chennai )

The Assam Tribune ( Guwahati )  
The Times of India ( Mumbai )  
The Telegraph ( Kolkata )  
हिन्दुस्तान ( पटना )

The Deccan Herald ( Bengluru )  
The Deccan Chronical ( Hyderabad )  
Central Chronical ( Bhopal )

# Sarakki residents yet to come out of flood shock

**BENGALURU:** People living next to Sarakki lake never realised what a waterbody could do if its boundaries are breached, until their homes were flooded on Thursday and Friday.

Even after three days of heavy downpour in the city, people are yet to come to terms with the flash floods. Although water has receded and many homes which were inundated have been cleaned up, several houses remain marooned. The part of Sarakki lake near Jaraganahalli stinks to the high heaven.

The lake, spread over 84 acres, has two waste-weirs. One has been closed while the other has been converted into a box-type drain, which has been completely choked with plastic disposables. There is no outlet for excess water, except for flooding the entire Jaraganahalli and the surrounding places.

Lokesh, a resident, could not drain the water from his house. Built below the ground level,



**A BBMP worker brings drinking water for the residents of Ashwathnarayana Layout. A girl walks through a waterlogged road in the locality. DH PHOTOS**

his house has become a pool. He tried to pump out the water but the ground water level in the area has swelled. "If it rains today, my house will get completely inundated," he said, clearing the blockage in the side-drain.

Families living near the lake

recalled the Friday horror when the whole area converted into a lake. "I felt the lake is going to swallow all of us. The water level was increasing alarmingly. We just prayed to God that it doesn't rain anymore," Sharadamma said.

BBMP staff have been work-

ing round the clock to clear the blockage but they are yet to achieve success even after three days. A senior BBMP engineer said, "For the last three days, I have been heading for the lake in the morning and returning home in the night."

**DH News Service**



दिनांक १३.०७.१९.११ को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hindustan Times ( Delhi )  
नवभारत टाइम्स ( दिल्ली )  
The Tribune ( Chandigarh )  
The Hindu ( Chennai )

The Assam Tribune ( Guwahati )  
The Times of India ( Mumbai )  
The Telegraph ( Kolkata )  
हिन्दुस्तान ( पटना )

The Deccan Herald ( Bengluru )  
The Deccan Chronical ( Hyderabad )  
Central Chronical ( Bhopal )

# Heavy rain in Mumbai cripples road, rail traffic

**MUMBAI, DHNS:** Mumbai suburbs received severe pounding from the monsoon rain on Monday, as it recorded more than 100 mm downpour in 24 hours that crippled road and rail traffic.

The three major water bodies in the city began to overflow as a result of the incessant rains. The Vihar lake inside Mumbai's Sanjay Gandhi National Park started to overflow in the morning, while the Tulsi lake -also located in the park- began spilling over on July 19.

The Powai lake that provides water for industrial use has been overflowing since July 2.

Overnight rainfall affected Thane, Palghar and Raigad districts that abut the commercial capital. The Vihar lake received 320 mm rainfall, followed by Tulsi (300 mm) and Bhandup Complex (260 mm).

Regional Meteorological Observatory in the city said rainfall was 111 mm in the 24-hour period up to 0830 hours, consistent with the average rains for the season. Karjat in

Raigad district recorded 290 mm of rains, while Roha reported 220 mm downpour.

Thane city and the neighbouring Kalyan township received rainfall of 201 mm, while the amount of downpour in Ulhasnagar was 190 mm, Murbad and Vikramgad areas (Palghar district) 130 mm.

Floods cut off a dozen villages in the Mumbai metropolitan Region due to heavy rains and overflowing of Tansa, Ulhas and Bhatsa rivers.

Train services were disrupt-

ed in the Main line of Central Railways due to derailment of a local train near Kalyan station at 9.30 am. Service in the line resumed at 12.20 am. Mumbai Monorail also developed a technical snag when a rake stopped near the Bhakti Park area of Wadala.

Heavy rains also lashed Ratnagiri and Sindhudurg districts in Konkan region, causing floods in streams near Sawantwadi, Khed and Chiplun towns. Severe downpour was also recorded in Amboli ghat.

Lonavla ghats near Pune recorded 200 mm rains, while the downpour was 100 mm in Koyna valley.

The latest spell of rains could be attributed to the moisture from the circulation formed over Gujarat. A weak off-shore trough along the West Coast between Maharashtra Coast and Coastal Karnataka also intensified the rains over Mumbai, which would continue to receive moderate to heavy showers in the next 24 hours, according to Skymet Weather.





People push a car on a waterlogged road in Faridabad on Monday. PTI

# Good rainfall to continue in August and September, predicts IMD

NEW DELHI: A good amount of rainfall in July cleared the accumulated deficiency for the season until now, with the India Meteorological Department (IMD) on Monday predicting "above normal rainfall" for the next two months.

The news augurs well for agriculturists after two consecutive bad monsoon.

Until July 31, nearly 21% of the country received "defi-

cient" rainfall.

According to the IMD, the deficiency has reached 49% in Saurashtra and Kutch region followed by Gujarat region (39), Himachal Pradesh (27), Assam and Meghalaya (26), Nagaland, Manipur, Mizoram, Tripura and Kerala (25), and Odisha (20).

Regions like Vidarbha and Marathwada, which faced acute crisis due to two consec-

utive droughts, have received normal rainfall so far.

"The rainfall deficiency in June was 11%, but July saw 7% more rains than the normal limit. So, the accumulated deficiency of June got wiped out," said newly appointed IMD Director General K J Ramesh.

The good news is that the next two months could see good rainfall. August will see

a "normal" rainfall while September is expected to witness "above normal" precipitation.

## Second half of monsoon

"Rainfall over the country as a whole during the second half of southwest monsoon season (August and September) is most likely to be above normal.

"Quantitatively, the rainfall for the country as a whole

during the second half of the season is likely to be 107 per cent of Long Period Average (LPA). The rainfall during August is likely to be 104 plus/minus 9% of LPA as was forecast in June," the IMD said.

Weather Risk, a weather risk management company, predicted that rainfall could be "somewhat on the negative side" in northwest, northeast

and east India. Rainfall is expected to be good in central India and southern peninsula, it said.

Anything less than 90% of the LPA is termed as a "deficient" monsoon and 90-96% of the LPA is rated as "below normal". Monsoon is considered "normal" if the period is between 96 and 104% of the LPA.

PTI

according to Skymet Weather.

People push a car on a waterlogged road in Faridabad on Monday. PTI

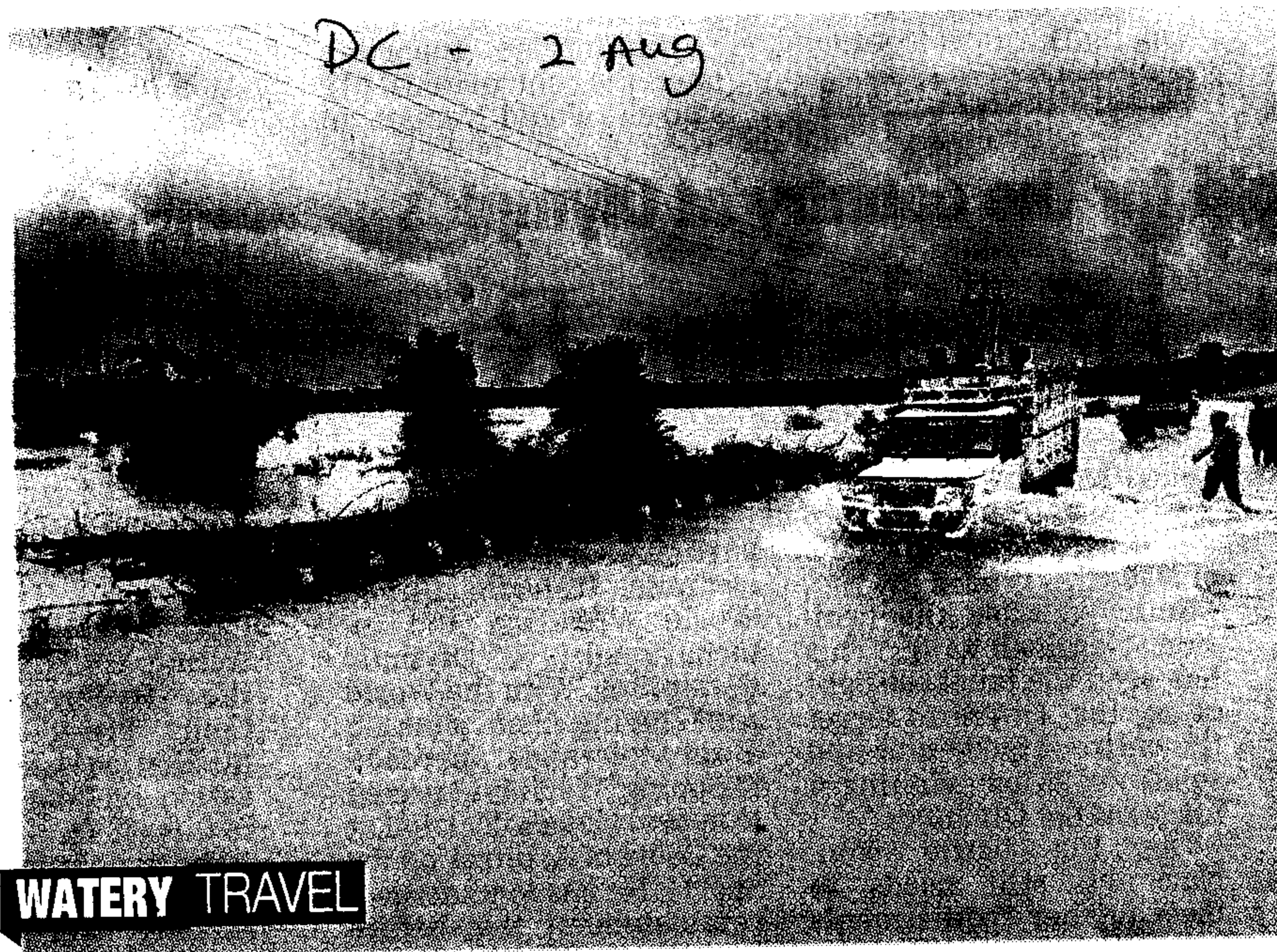


दिनांक २, ३, ४, ५, ६ को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hindustan Times ( Delhi )  
नवभारत टाइम्स ( दिल्ली )  
The Tribune ( Chandigarh )  
The Hindu ( Chennai )

The Assam Tribune ( Guwahati )  
The Times of India ( Mumbai )  
The Telegraph ( Kolkata )  
हिन्दुस्तान ( पटना )

The Deccan Herald ( Bengluru )  
✓ The Deccan Chronical ( Hyderabad )  
Central Chronical ( Bhopal )



### WATERY TRAVEL

Vehicles pass a bridge submerged by flood water. There was incessant rain recorded at Morthad and Bheemgal mandals on Monday.

— DC



दिनांक 23 जुलाई, 16 को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

- Hindustan Times ( Delhi )

नवभारत टाइम्स ( दिल्ली )

The Tribune ( Chandigarh )

The Hindu ( Chennai )
- The Assam Tribune ( Guwahati )

The Times of India ( Mumbai )

The Telegraph ( Kolkata )

हिन्दुस्तान ( पटना )
- The Deccan Herald ( Bengluru )

The Deccan Chronical ( Hyderabad )

Central Chronical ( Bhopal )

TUESDAY | 2 AUGUST 2016 | HYDERABAD



People push a car through a waterlogged road after heavy downpour in Faridabad on Monday.

PTI

## DEFICIENT RAINFALL

NEARLY 21 PER CENT OF THE COUNTRY HAS RECEIVED DEFICIENT RAINFALL TILL JULY 31, THE INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT SAID.

### REGION-WISE DEFICIENCY

Saurashtra	49%
Kutch	49%
Gujarat region	39 %
H. Pradesh	27 %
Assam	26%
Meghalaya	26 %
Nagaland	25 %
Manipur	25 %
Mizoram	25 %
Tripura	25 %
Kerala	25 %
Odisha	20 %

### NORMAL RAINFALL

■ Regions like Vidarbha and Marathwada, which faced acute drought due to two consecutive droughts, have received normal rainfall this season.

#### GOOD NEWS ON CARDS

■ The good news is that the next two months could see good rainfall.

### Long Period Average

■ Anything less than 90 per cent of the Long Period Average (LPA) is termed as “deficient” monsoon and 90-96 per cent of the LPA is rated as “below normal”. Monsoon is considered “normal” if the period is between 96 and 104 per cent of the LPA.



दिनांक २, ३, ४, ५, ६ को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hindustan Times ( Delhi )  
नवभारत टाइम्स ( दिल्ली )  
The Tribune ( Chandigarh )  
The Hindu ( Chennai )

The Assam Tribune ( Guwahati )  
The Times of India ( Mumbai )  
The Telegraph ( Kolkata )  
हिन्दुस्तान ( पटना )

The Deccan Herald ( Bengluru )  
The Deccan Chronical ( Hyderabad )  
Central Chronical ( Bhopal ).

# Wave after wave wash away Assam villages



The destruction wrought by the Aie river at Choto Nilibari in Chirang district

## OUR BUREAU

Guwahati, Aug. 1: The first wave came in April. By the time it was August, two more had swamped the state.

Numbers tell the story of the flood that has spared only six of Assam's 34 districts, left the state a waterlogged waste of washed-away villages and affected more than 2.6 million people.

At last count, over 2,800 villages and two lakh hectares of crops had been swept away.

"Normally it is the upper Assam districts that are more affected," said Dipak Kumar Sarma, chief executive officer of the Assam State Disaster Management Authority. "This time it is all across."

Sarma said "three waves of floods since April" had impacted the entire state, from upper Assam to lower Assam districts. "That only 28 people have died so far is because we are now in a position to provide flood warnings at the circle level 24 hours before they strike and can do so with a 70 per cent accuracy. The destruction of homes and crops can't, however, be prevented."

## Floods since April spare only six of the state's 34 districts

In Kaziranga National Park, a sanctuary for the Indian one-horned rhino, animals had to be rescued, while others floundered through the water or strayed across roads, many of them run over by speeding vehicles.

Figures provided by the state's water resources department revealed the extent of the devastation. The Assam valley part of the Brahmaputra river has lost approximately 7.4 per cent (4,000sqkm) of its land area because of river-bank erosion.

The Brahmaputra, at the end of the day, flows by the whims of rivers that flow into it, from states and countries that lie across the border. Rivers such as the Lalai, Aie, Taklai, Kanamakra and Langkhar — that flow down the foothills of Bhutan — have created havoc in lower Assam districts such as Chirang, Baksa and Kokrajhar.

The Kulsi, Batha and the Jinari that flow in from the

Garo hills in western Meghalaya impact lower Assam districts such as Goalpara and Kamrup. Around two lakh people have been affected in these districts.

The Subansiri and the Lohit, which flow down the hills of central and eastern Arunachal Pradesh, have inundated upper Assam districts like Dhemaji, Lakhimpur and Sonitpur districts on both banks of the Brahmaputra that cuts through Assam. More than four lakh people have been left homeless in these districts.

But the worst, meteorology experts say, is yet to come.

A report prepared by the meteorological department says the country's east and Northeast received 647.9mm rainfall between June 1 and July 27 against a monsoon-season normal of 735.9mm.

"The rainy season is not yet over and whether the northeastern states receive ex-

cess or deficit rainfall is something we will get to know only at the end of the season, which is about the beginning of August, give or take a few days," a Met official said.

As much as public opinion in Assam stands against river dams, it is one such across the Serlui tributary of the Barak that has prevented major flooding in districts such as Cachar, Karimganj and Hailakandi towards the southern tip of Assam.

Built across the Serlui in western Mizoram's Kolasib district, the dam has prevented the tributary from adding to the flow of the Barak that enters Assam from northern Manipur, thus preventing flooding in Barak districts for two years now.

Elsewhere, though, Assam's rivers have continued on their course of mayhem. "For the past week we've been practically living in water. Four of my buffaloes have died in the floods," said Jyoti Prakash Pegu, a resident of Dhunaguri village on the banks of the Brahmaputra in Lakhimpur district. "It's the same story every year for us."



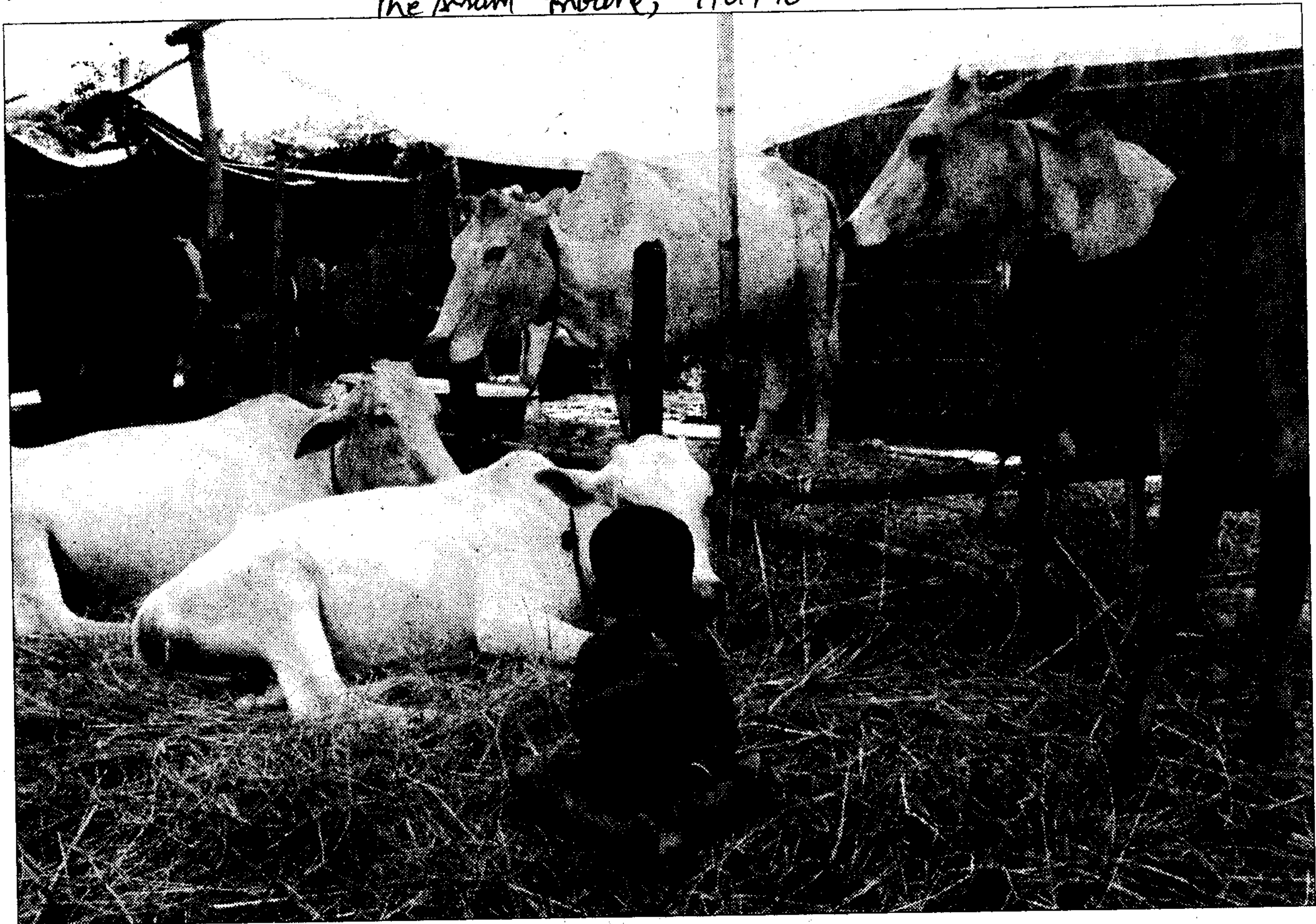
दिनांक ०१/०८/१६ को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hindustan Times ( Delhi )  
नवभारत टाइम्स ( दिल्ली )  
The Tribune ( Chandigarh )  
The Hindu ( Chennai )

The Assam Tribune ( Guwahati )  
The Times of India ( Mumbai )  
The Telegraph ( Kolkata )  
हिन्दुस्तान ( पटना )

The Deccan Herald ( Bengluru )  
The Deccan Chronical ( Hyderabad )  
Central Chronical ( Bhopal )

The Assam Tribune, 1/8/16



*With home and hearth swept away by the flood waters, a child seated among cattle in a makeshift cowshed at Chenga LAC in Barpeta district, on Sunday. – UB Photos*



दिनांक ०१-८-१६ को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hindustan Times ( Delhi )  
नवभारत टाइम्स ( दिल्ली )  
The Tribune ( Chandigarh )  
The Hindu ( Chennai )

The Assam Tribune ( Guwahati )  
The Times of India ( Mumbai )  
The Telegraph ( Kolkata )  
हिन्दुस्तान ( पटना )

The Deccan Herald ( Bengluru )  
The Deccan Chronical ( Hyderabad )  
Central Chronical ( Bhopal )

*The Assam Tribune, 1/8/16*

# 9 killed, 10 hurt as building collapses in rain-hit Thane

THANE, July 31: Nine persons, including four children and three women, were killed and 10 others injured when a residential building collapsed in the powerloom town of Bhiwandi here this morning amid heavy rains, police said.

The two-storey structure, housing seven to eight families, at Gaibi Nagar under Shanti Nagar police station limits in the town, crashed at around 9:30 am, Bhiwandi tehsildar Vaishali Lambate said.

Among the deceased were a woman and her four sons.

Initially, five persons had died in the incident, but the toll rose after more bodies were pulled out from the debris of the collapsed building.

An emergency meeting was convened by Thane Guardian

Minister Eknath Shinde at Bhiwandi Nizampur Municipal Corporation office in view of the incident. District Collector Mahendra Kalyankar and Municipal Commissioner E Ravindran were present at the meeting.

The Collector had earlier rushed to the site to supervise the relief and rescue operation which was hampered by the heavy rains that lashed the district today.

Eight of the deceased were identified as – Shahjahan Khurshid Aalam Ansari (42), her four sons Muddashir Khurshid Aalam Ansari (20), Saif Khurshid Aalam Ansari (17), Khalid Khurshid Aalam Ansari (15) and Shakib Khurshid Aalam Ansari (11), and Aayesha Mobin Ansari (38), Suphiya Shahnavaz Shah (19) and Yehem Ejaz Shah (10).

One of the deceased is yet to be identified.

Nine of the injured were rushed to Thane Civil Hospital where they were being treated for their injuries, the tehsildar said, adding that one person has been admitted to a hospital in Bhiwandi. It was yet to be ascertained whether the structure was in the list of dangerous buildings, sources said.

Following the heavy rainfall since early this morning, many low-lying areas were waterlogged in Thane city and surrounding areas.

Thane Municipal Commissioner Sanjeev Jaiswal, after visiting the disaster control cell, issued a warning to residents of the city not to step out of their houses unless it was absolutely essential. – PTI



दिनांक ३१ जुलाई, १९७६ को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hindustan Times ( Delhi )

नवभारत टाइम्स ( दिल्ली )

The Tribune ( Chandigarh )

The Hindu ( Chennai )

The Assam Tribune ( Guwahati )

The Times of India ( Mumbai )

The Telegraph ( Kolkata )

हिन्दुस्तान ( पटना )

The Deccan Herald ( Bengluru )

The Deccan Chronical ( Hyderabad )

Central Chronical ( Bhopal )

# Floods creating hurdles in BSF patrolling

R DUTTA CHOUDHURY

GUWAHATI, July 31: Heavy floods and severe erosion have caused severe hurdles in the functioning of the Border Security Force (BSF) deployed along the India-Bangladesh border to guard the frontier of the country. The situation has even forced the BSF to shift some of its border outposts (BOPs) to safer places. However, on the positive side, the strength of the river wing of the BSF in Dhubri sector has been increased, which resulted in overall improvement of the functioning of the border guarding force during the floods.

Highly placed sources in the BSF told *The Assam Tribune* that flood along with

erosion are turning out to be major problems for the personnel of the border guarding force. Almost all the BOPs located on the chars along the international border have been submerged, making life miserable for the personnel of the

## Assam-Bangla border

force. Because of severe erosion, at least six of the 17 BOPs located on the chars have been shifted and these are now operating from vessels. However, sources said that despite the hardship, the BSF personnel are carrying on patrolling along the riverine international border with speed boats and engine fitted boats specially hired for the purpose.

Sources revealed that the water wing of the BSF has been strengthened, which has improved the overall performance in guarding the riverine international border. The strength of the wing has been increased to two battalions and along with that, the number of speed boats available with the wing has also been increased. The increase of the strength of the wing has been very helpful in the area, particularly during the floods.

Though cattle smuggling through the riverine international border is still a major headache for the personnel of the BSF, for the last one week or so, because of heavy floods, smuggling has come down. Sources said that normally, the

(See page 4)



Hindustan Times ( Delhi )  
नवभारत टाइम्स ( दिल्ली )  
The Tribune ( Chandigarh )  
The Hindu ( Chennai )

The Assam Tribune ( Guwahati )  
The Times of India ( Mumbai )  
The Telegraph ( Kolkata )  
हिन्दुस्तान ( पटना )

The Deccan Herald ( Bengluru )  
The Deccan Chronical ( Hyderabad )  
Central Chronical ( Bhopal )

# 1.7 lakh affected in Garo Hills floods, waters receding

BIPLAB KR DEY

TURA, July 31: The devastating floods in the Garo Hills region has affected more than 1.76 lakh people specially in the plain belt areas mainly due to incessant rainfall across the North East leading to huge surge in the waters of the Brahmaputra.

After eight days of continuous water rise, affected victims have heaved a sigh of relief after water began to recede in most places. But return to normalcy may, however, take weeks, if not months.

"Thankfully, the rains have relented and there has been reduction of water levels across the region. We are trying to ensure the families af-

ected are taken care of," said Meghalaya Speaker and local MLA, AT Mondal.

Meanwhile, SG Esmatur Mominin (Rahibul), MDC of Shyamnagar constituency has raised the demand for providing Gratuitous Relief (GR) for a period of 30 days after a visit to the affected areas in the plain belt region of West Garo Hills.

The State Government earlier announced a 10 day GR for the affected families. A decision to continue with GR after 10 days will be taken after a review.

"We have visited most of the areas affected by the flood and the water may take about two months to completely clear. To help the flood victims we demand at least 30 days GR to be provided," said Mominin.

"The flood affected areas under Phulbari, Rajabala and Tikrikilla has seen most roads submerged and thousands of houses are under water", he added.

"Though water is reducing, it is still over danger levels. We desperately require fresh drinking water and temporary toilets," said a flood victim camping by the AMPT Road near New Bhaitbari. Schools are also being used as temporary shelters while a sizeable number of people are also staying on roadside along with their animals.

Damage assessment is being carried out by the district administration and is expected to take weeks to complete, though initial reports have already been sent to the Centre.

The Assam Tribune  
27.50 lakh  
11/8/16 people  
affected in  
Bihar floods

PATNA, July 31: The flood situation remained grim in 12 districts of Bihar where an estimated 27.50 lakh people were affected though no fresh casualty was reported, with the toll standing at 26.

Rivers Ghaghra-Darauli and Gangpur-Siswan in Siwan district, Bagmati-Benibad in Muzaffarpur district, Koshi-Baltara in Khagaria district, Mahananda-Dhengraghat in Purnia district and Jhhawa in Katihar district were flowing above the danger mark inundating 12 districts.

With several rivers in spate, as many as 12 districts have been flooded, affecting over 27.50 lakh people spread over 200 lakh hectare area, the Disaster Management Department said in a statement today.

The flood has also damaged crops in 3.39 lakh hectares of land, it said.

Altogether 5521 houses and 4641 hutments have been damaged, the statement said, adding the damage to houses/hutments has been assessed at Rs 67.91 lakh while the valuation of public properties damaged in the flood was being assessed.

Launching massive rescue and relief operations, the state government has pressed into service 1063 boats to rescue the affected people, with 5.98 lakh of them already shifted to safer places. - PTI



Hindustan Times  
Statesman  
The Times of India (N.D.)  
Indian Express  
Tribune  
Hindustan (Hindi)

Nav Bharat Times (Hindi)  
Punjab Keshari (Hindi)  
The Hindu  
Rajasthan Patrika (Hindi)  
Deccan Chronicle  
Deccan Herald

M.P. Chronicle  
Aaj (Hindi)  
Indian Nation  
Na. Patrika (Hindi)  
The Times of India (A)  
BNZ

and documented at Bhagirathi(English)& Publicity Section, CWC.

## बारिश का असर

# प्रदेश के कई जिले पानी-पानी उफान पर नदियां, जीवन बेहाल

कांकेर में सबसे ज्यादा 210 मिमी बारिश, शहर में घुसा पानी

टापू बने नारायणपुर  
के दो दर्जन गांव

73-8-16  
पत्रिका न्यूज नेटवर्क

patrika.com

रायपुर. राज्य के कई जिले पिछले 24 घंटे की जोरदार बारिश से पानी-पानी हो गए। कई जगहों पर बाढ़ जैसे हालात बन गए। आधी रात के बाद शुरू हुई बरसात ने भोर होने तक बड़ा रूप ले लिया। कांकेर में सबसे ज्यादा बारिश 210 मिमी रिकॉर्ड की गई। दूध नदी के उफान पर आने से फामी कांकेर शहर में प्रवेश कर गया। दो दर्जन से ज्यादा दुकानों में पानी भर गया। कांकेर थाने में करीब 7 फीट पानी जमा रहा और बारिश रुकने के बाद इसका स्तर घटा। निचले इलाके के लोगों को प्रशासन ने पहले ही हटाकर सामुदायिक भवन में पहुंचा दिया था। इधर, महानदी का जलस्तर भी बढ़ गया। हालाडुला के पास पुल के ऊपर से पानी बहता रहा। प्रशासन के मुताबिक अंतागढ़, दुर्गकोदल और कोयलीबेड़ा विकासखंडों के 150 से अधिक गांवों का संपर्क जिला मुख्यालय से कट गया है। नारायणपुर में मेरोली नदी का जलस्तर बढ़ने से एडका मार्ग पर पुल के पांच फीट ऊपर तक पानी बहता रहा। इसकी वजह से करीब दो दर्जन गांवों का मुख्य मार्ग से संपर्क टूट गया। जांजगीर के चंद्रपुर में महानदी का जलस्तर बढ़ रहा है। रायगढ़ में केलो नदी का पानी चक्रपथ पर चढ़ गया है। राजनांदगांव के खैरागढ़ की आमनेर नदी में अचानक पानी बढ़ने से कुम्ही नाले में खड़े चार वाहन बह गए।



## करोड़ों का नुकसान

बाढ़ से कांकेर शहर के कारोबारियों को काफी नुकसान हुआ। दुकानों में पांच से सात फीट तक पानी भर जाने से अंदर रखे सामान भीग गए। थाने सहित कई सरकारी कार्यालयों को भी नुकसान उठाना पड़ा है।

## आज हो सकती है तेज बारिश

मौसम विभाग के ऑरेंज अलर्ट के बाद मंगलवार को प्रदेश में विशेषकर दक्षिण बस्तर में झमाझम बारिश हुई। कांकेर में यह 210 मिमी रिकॉर्ड की गई है। वहीं मौसम विज्ञानियों ने बुधवार और गुरुवार के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। रायपुर सहित राज्य के कई इलाकों में भारी से अतिभारी वर्षा हो सकती है। मौसम केंद्र के डायरेक्टर एम.एल.साहू ने बताया, प्रदेश में सिस्टम तगड़ा बना हुआ है।

## स्कूलों को कराया बंद

भारी बरसात को देखते हुए कांकेर में जिला प्रशासन ने स्कूलों को बंद करा दिया था। वहीं निचली बस्तियों को खाली कराकर शिविरों में शरण दी गई थी। राजस्व विभाग का कहना है कि नदी के जलस्तर और बरसात से जलभराव की स्थिति पर प्रशासन की नजर है। बचाव और राहत के सभी उपाय किए जा रहे हैं।

## बचाव प्राथमिकता में

बाढ़ की स्थिति में बचाव हमारी पहली प्राथमिकता है। इसके लिए कलक्टरों को पर्याप्त राशि और अधिकार दिए गए हैं। प्राथमिकता के आधार पर स्थानीय व्यवस्था की जा रही है। बाढ़ के बाद नुकसान का सर्वेक्षण कर आर्थिक मदद दी जाएगी।

केआर पिस्टा, सचिव  
राजस्व एवं आपदा प्रबंधन

## हालात पर नजर

पूरे प्रदेश में अच्छी बारिश की उम्मीद है। जिन इलाकों में सूखे के हालात रहे वहां भी अच्छी बारिश हो। बारिश को लेकर मौसम विभाग के अलर्ट के बाद सरकार ने भी अलर्ट जारी करते हुए सभी कलक्टरों को जरूरी निर्देश दिए हैं। बाढ़ के हालातों पर नजर रखी जा रही है।

डॉ.रमन सिंह, मुख्यमंत्री

कहा कितनी बारिश (मिमी)	
कांकेर	210
भद्रप्रतापपुर	170
दुर्ग कोदल	140
भारी	120
बकावड	100
कटेकरत्याप	70
अधिकपुर	79
बिलासपुर	4.7
पेड़स्टेड	5.4
जगदलपुर	22.8
राजनांदगांव	41.0
मान	1.5
रायपुर	1.0



News item/letter/article/editorial published on 3.8.16 in the

Hindustan Times

Statesman

The Times of India (N.D.)

Indian Express

Tribune

Hindustan (Hindi)

Nav Bharat Times (Hindi)

Punjab Kesari (Hindi)

The Hindu

✓ Rajasthan Patrika (Hindi)

Deccan Chronicle

Deccan Herald

M.P. Chronicle

Aaj (Hindi)

Indian Nation

Nai Duniya (Hindi)

The Times of India (A)

Eliz

and documented at Bhadrath(English) & Publicity Section, CWC.

## बिहार में बाढ़ से अब तक 38 मरे

पटना. बिहार के सीमांचल और उत्तरी हिस्सों में पिछले 12 दिनों से बाढ़ के चलते तबाही मची हुई है। इससे 12 जिलों के 28 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। 38 लोगों की मौत हो गई है। नदियां लगातार उफान पर हैं। प्रशासन ने गांव से लोगों को अन्य जगहों पर भेज रहा है।



Hindustan Times  
Statesman  
The Times of India (A) ✓  
Indian Express  
Tribune  
Hindustan (Hindi)

Nav Bharat Times (Hindi)  
Punjab Keshari (Hindi)  
The Hindu  
Rajasthan Patrika (Hindi)  
Deccan Chronicle  
Deccan Herald

M.P. Chronicle  
Aaj (Hindi)  
Indian Nation  
Nai Duniya (Hindi)  
The Times of India (A)  
Blitz

and documented at Enquiry/English & Publicity Section, CWC.

4

TIMES CITY | RAIN DRAIN

# Flyovers fail harvesting test

## Despite HC Order In 2007, Rainwater Projects Along Roads A Non-Starter

Neha Lalchandani  
@timesgroup.com

Photos: Sanjeev Rastogi



Rainwater harvesting systems near Laxmi Nagar Metro bridge and AIIMS flyover are in a shambles

**New Delhi:** The monsoon mayhem that has been crippling Delhi for the past many years would have been long gone had civic agencies carried out rainwater harvesting along roads and flyovers following a 2007 high court order. While most flyovers that have come up since then bear some semblance of RWH, roads do not have any such system so far.

Vinod Jain, director of NGO Tapas, who had filed a plea in the high court in 2005, said the order was issued in 2007 but the agencies had not achieved much progress. "PWD has started implementing RWH on its flyovers. While the system on new structures is still alright, that on old flyovers is often faulty or not properly maintained," he said. "For instance, a multi-department team that inspected the AIIMS flyover last year found that the pits were clogged with garbage. At the Panchshila and Andrews Ganj flyovers, pipes meant to carry water open up

on the road itself while at the Chirag Dilli flyover, the RWH system has been connected to the storm water drain."

Jain will be approaching the National Green Tribunal on Wednesday with a plea that waterlogging on roads can be prevented if agencies are made to carry out RWH along roads.

According to an NGT order of August 2015, no flyover or bridge can be approved witho-

ut RWH. PWD officials claim that all its new flyovers and elevated roads have built-in RWH system and they are, in fact, using a new technique to improve collection of water. "We have carried out RWH on our new elevated road from Meera Bagh to VIKASPURI. For the first time, we have received no complaints of waterlogging on the Azadpur flyover. We are also using a new material and a better filter system, which can

collect about 95% of the runoff," said an official.

The Delhi Metro too has been asked to carry out RWH and it has provided pits at 464 locations with a capacity of 8,607 cubic metres. "In the past one year, 93 new rainwater harvesting pits have been added," said a DMRC spokesperson.

However, DMRC has provided drains to keep its elevated tracks free from waterlogging, which run along the pillars

supporting the tracks and open up a few feet above the road. Thousands of litres of water each monsoon have been flushed onto main roads, adding to the waterlogging problem. While DMRC says that it is the responsibility of road owning agencies to provide for drainage of this water, an official from PWD claims their drains were made several years ago and do not have the capacity to deal with the additional water flow. "DMRC cannot pump such quantities of water onto roads and expect others to clean up after them," said an official.

Meanwhile, of the three municipal corporations that own a majority of roads in the city, east and north civic bodies have not made any provision for RWH on their roads. Some work has been done by the South Corporation with officials claiming that a majority of the 104 wards under it have carried out small-scale RWH at 3-5 sites each. However, most of these RWH pits are next to drains where water level may already be high enough for the system to be ineffective.



News item/letter/article/editorial published on

3.8.16 in the

Hindustan Times

Statesman

The Times of India (N.D.)

Indian Express

Tribune

Hindustan (Hindi)

Nav Bharat Times (Hindi)

Punjab Kesari (Hindi)

The Hindu

Rajasthan Patrika (Hindi)

Deccan Chronicle

Deccan Herald

M.P. Chronicle

Aaj (Hindi)

Indian Nation

Kai Duniya (Hindi)

The Times of India (A)

Elitz

and documented at Bhadrathi (English) & Publicity Section, CWC.

# Govt told to demolish illegal structures in central ridge

HT Correspondent

■ htreporters@hindustantimes.com

**NEW DELHI:** The National Green Tribunal has asked both the Union government and the Delhi government to demolish illegal religious structures in the central ridge area near the Birla Temple in Delhi within two weeks.

A bench headed by Justice UD Salvi directed the Union ministry of urban development and Delhi government to knock down two religious structures and a platform, identified as encroachment on the 7.5 acres of the ridge area.

"We direct that the respondent no. 2 and 3 in collaboration with each other shall carry out the demolition of the said identified structures within two weeks. "We further direct the commissioner of police to grant every police assistance to them for demolition," the bench, said.

It warned that if any "laxity" is shown in executing this order,



■ The order came on a petition which alleged that illegal constructions were carried out in the area.

RAVI CHOUDHARY / HT PHOTO

it will hold officers concerned personally liable and will resort to coercive measures against them. The direction came after the ministry of urban development submitted that the demarcation of the area where illegal structures are to be demolished has been completed and two religious structures and a plat-

form have been identified as encroachments. The order came on a contempt petition filed by KC Bhargava, who alleged that a Trust "in connivance with the NDMC and other authorities has illegally constructed a road, parking, temple and other constructions within the central ridge area."

## NGT gives nod for 10 new fire trucks

HT Correspondent

■ htreporters@hindustantimes.com

**NEW DELHI:** The National Green Tribunal on Tuesday gave permission to the Delhi Fire department to go ahead with the registration of 10 new diesel vehicles, which comply with BS-IV emission norms.

A bench, headed by NGT chairperson Justice Swatanter Kumar gave the relief on Tuesday after being informed that the department has already scrapped 67 diesel vehicles, which were more than 10 years old.

"We permit the 10 vehicles of the fire department to be registered by the Delhi RTO only after certificate of condemning and dismantling of old diesel vehi-

cles is produced," the bench said.

The tribunal's order came after advocate Tarunvir Singh Khehar, appearing for the Delhi government, informed the bench that the fire department has scrapped 67 of its old diesel vehicles and bought 10 new diesel vehicles, which are BS-IV compliant.

The fire department had approached the green court seeking registration of its new vehicles as the tribunal had last year banned the registration of new diesel vehicles as well as re-registration after 10 years. Later, the Supreme Court had also banned registration of diesel-run SUVs and cars having engine capacity beyond 2000cc in Delhi and the National Capital Region.